जो होना है सो होना है

जो होना है सो होना है,
फिर क्यों चैन हमें खोना है,
अब है सतयुग आने वाला,
जिसमें बस सोना सोना है,
वक्त से पहले भाग्य से ज्यादा,
न तो यहाँ किसको मिलना है,
भाग्य तुम्हारे कर्म से होगा,
फिर क्यों गफलत में सोना है
आज नहीं तो कल बदलेंगे,
ये घनघोर तिमिर के बादल,
ज्ञान सूर्य से रोशन जीवन,
फिर अब किस तम का रोना है,
ज्ञान का सागर लेकर आया,
ज्ञान का सुन्दरतम उपहार,
आज तलक तो तन को धोया,
अब मन के पापों को धोना है,
सजते सजाते रोज रहे पर,
जीवन कभी सजा न पाये,
रहे ढूढते बाहर जिसको,
उसको तो अन्दर होना है,
अब तक पाया जो बोया था,
उल्टा अब न हमें बोना है,
कुछ भी मिले खुशी ही होगी,
दोष नहीं किसका देना है,
कितनी भी बाधायें आयें,
साथ स्वयं भगवान हमारे,
मंजिल दूर कहाँ तक होगी,
जब पुरूषार्थ का ही ओना है,
फटे पुराने जीवन में बाबा,
आपको क्या हम दे पायेंगे,
मन के अन्दर बस आप बिराजे,
खाली एक यही कोना है।

ओम शान्ति